

Model: Duastro-Kundli-Milan

SrNo: 115-120-105-3261 / 112

Date: 24/01/2024

पुल्लिंग :	लिंग	: स्त्रीलिंग
31-01/01/1999 :	जन्म तिथि	: 31-01/01/1990
गुरु-शुक्रवार :	दिन	: रवि-सोमवार
घंटे 01:01:01 :	जन्म समय	: 01:01:01 घंटे
घटी 42:17:04 :	जन्म समय(घटी)	: 42:17:03 घटी
United Kingdom :	देश	: India
London :	स्थान	: Delhi
51:30:00 उत्तर :	अक्षांश	: 28:39:00 उत्तर
00:05:00 पश्चिम :	रेखांश	: 77:13:00 पूर्व
00:00:00 पश्चिम :	मध्य रेखांश	: 82:30:00 पूर्व
घंटे -00:00:20 :	स्थानिक संस्कार	: -00:21:08 घंटे
घंटे 00:00:00 :	ग्रीष्म संस्कार	: 00:00:00 घंटे
08:06:11 :	सूर्योदय	: 07:13:53
16:00:46 :	सूर्यास्त	: 17:34:29
23:50:25 :	चित्रपक्षीय अयनांश	: 23:43:14
कन्या :	लग्न	: कन्या
बुध :	लग्न लग्नाधिपति	: बुध
मिथुन :	राशि	: कुम्भ
बुध :	राशि-स्वामी	: शनि
मृगशिरा :	नक्षत्र	: धनिष्ठा
मंगल :	नक्षत्र स्वामी	: मंगल
3 :	चरण	: 3
शुक्ल :	योग	: वज्र
वणिज :	करण	: विष्टि
का-कमल :	जन्म नामाक्षर	: गू-गुंजन
मकर :	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	: मकर
शूद्र :	वर्ण	: शूद्र
मानव :	वश्य	: मानव
सर्प :	योनि	: सिंह
देव :	गण	: राक्षस
मध्य :	नाड़ी	: मध्य
मार्जार :	वर्ग	: मार्जार

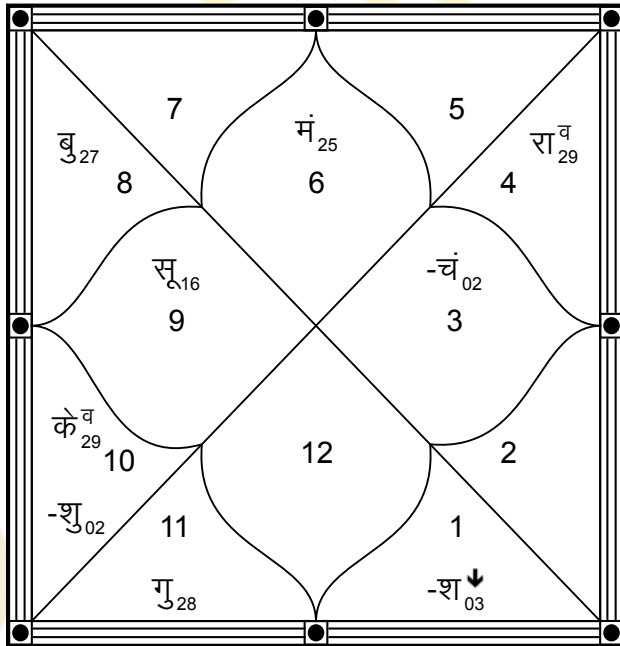
ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
मंगल	2वर्ष 6मा 29दि	24:03:39	कन्या	लग्न	कन्या	24:00:40	मंगल 3वर्ष 3मा 25दि
	गुरु	16:18:31	धनु	सूर्य	धनु	16:23:36	गुरु
	01/08/2019	01:44:57	मिथु	चंद्र	कुंभ	00:20:33	28/04/2011
	01/08/2035	24:33:47	कन्या	मंगल	वृश्चि	15:47:46	28/04/2027
गुरु	18/09/2021	27:29:20	वृश्चि	बुध व	मक	02:06:29	गुरु
शनि	01/04/2024	28:06:23	कुंभ	गुरु व	मिथु	11:31:14	शनि
बुध	07/07/2026	01:35:44	मक	शुक्र व	मक	12:34:51	बुध
केतु	13/06/2027	02:55:58	मेष	शनि	धनु	21:51:20	केतु
शुक्र	11/02/2030	29:01:07	कर्क व	राहु	मक	23:08:08	शुक्र
सूर्य	01/12/2030	29:01:07	मक व	केतु	कर्क	23:08:08	सूर्य
चन्द्र	01/04/2032	17:07:08	मक	हर्ष	धनु	12:01:25	चन्द्र
मंगल	07/03/2033	07:13:12	मक	नेप	धनु	18:17:29	मंगल
राहु	01/08/2035	15:16:32	वृश्चि	प्लूटो	तुला	23:21:13	राहु

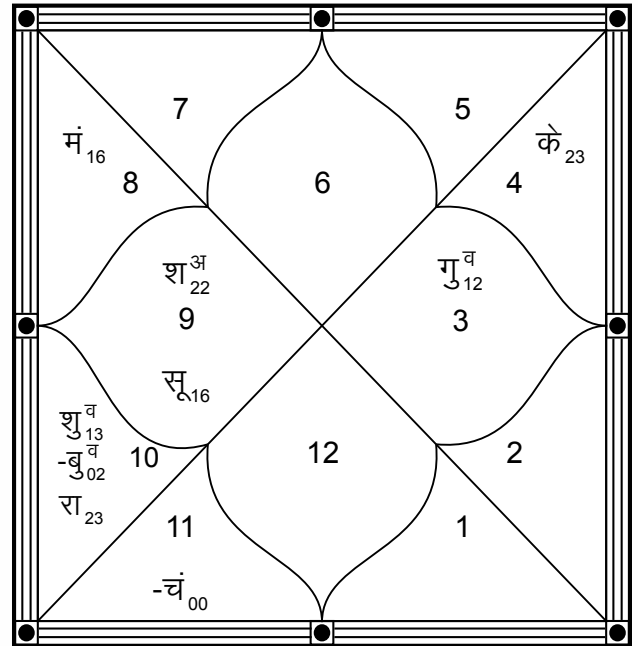
व – वकी स – स्थिर
अ – अस्त पू – पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

23:50:25 चित्रपक्षीय अयनांश 23:43:14

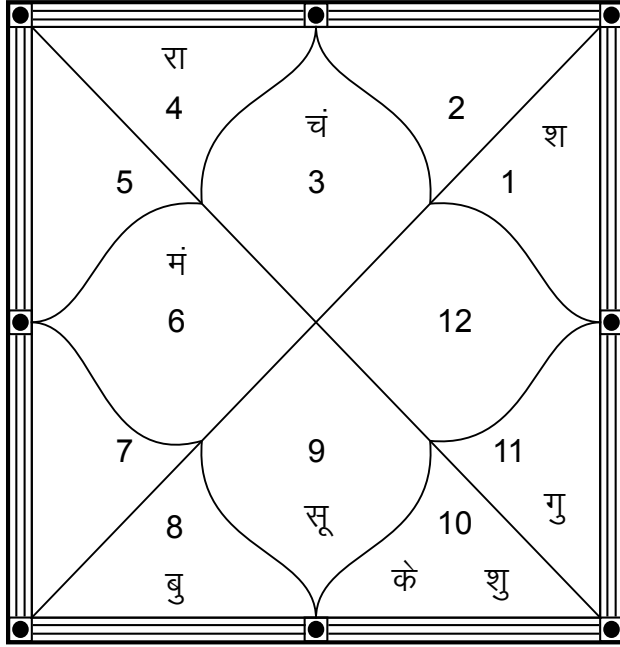
लग्न-चलित



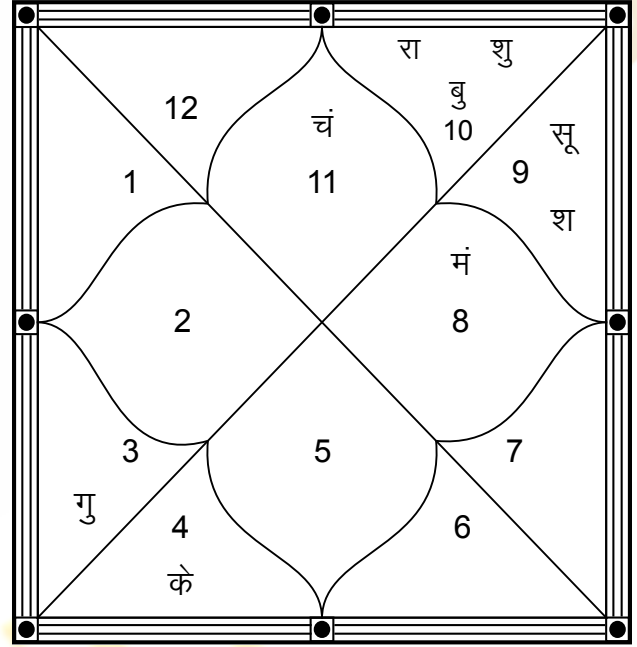
लग्न-चलित



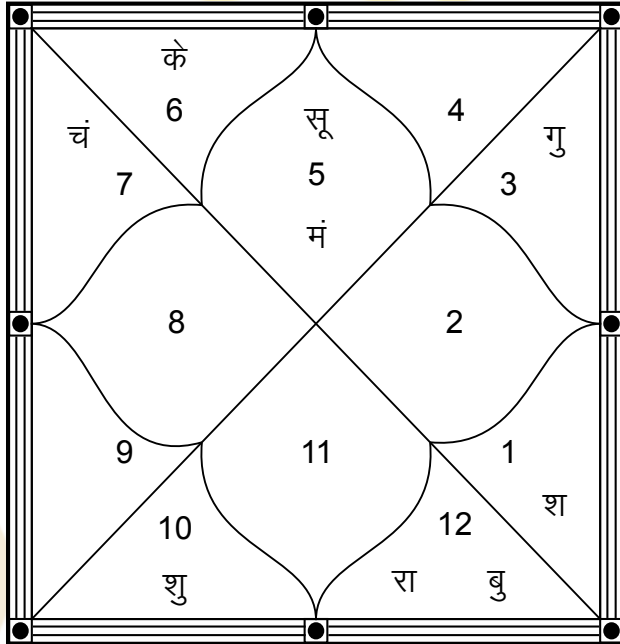
चन्द्र कुंडली



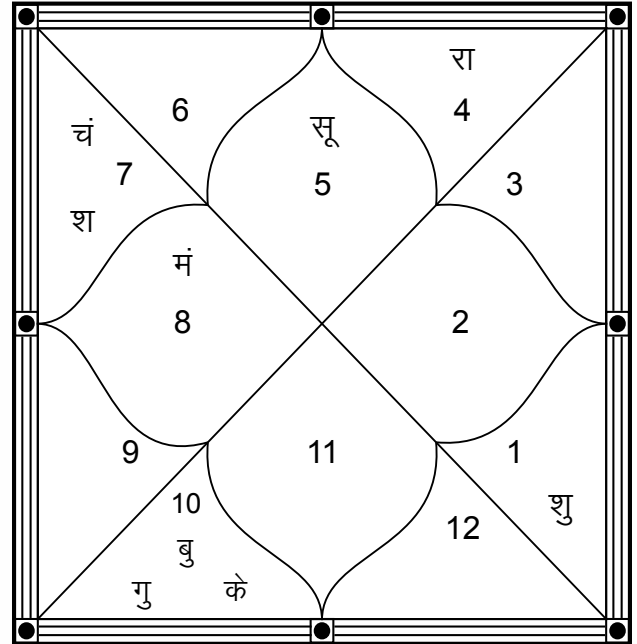
चन्द्र कुंडली



नवमांश कुंडली



नवमांश कुंडली



अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	शूद्र	शूद्र	1	1.00	---	जातीय कर्म
वश्य	मानव	मानव	2	2.00	---	स्वभाव
तारा	जन्म	जन्म	3	3.00	---	भाग्य
योनि	सर्प	सिंह	4	2.00	---	यौन विचार
मैत्री	बुध	शनि	5	4.00	---	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	राक्षस	6	1.00	---	सामाजिकता
भकूट	मिथुन	कुम्भ	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	मध्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य / संतान
कुल :			36	13.00		

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

नाड़ी दोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के नक्षत्र एवं राशियां भिन्न-2 है।

नाड़ी दोष कष्टदायक नहीं है क्योंकि Duastro Male का नक्षत्र मृगशिरा है।

Duastro Male का वर्ग मार्जार है तथा Duastro Female का वर्ग मार्जार है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Duastro Male और Duastro Female का मिलान ठीक नहीं है।

मंगलीक दोष मिलान

Duastro Male मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है।

Duastro Female मंगलीक नहीं है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।

त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल Duastro Female कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Duastro Male तथा Duastro Female में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

मिलान ठीक नहीं है क्योंकि अष्टकूट गुण नहीं मिलते हैं।

DUASTRO

मेलापक फलित

स्वभाव

Duastro Male की जन्मराशि वायुतत्व युक्त मिथुन तथा Duastro Female की राशि भी वायुतत्व युक्त कुम्भ राशि है। नैसर्गिक रूप से वायुतत्व की समानता के कारण Duastro Male और Duastro Female के परस्पर संबंधों में मित्रता रहेगी तथा एक दूसरे के प्रति आकर्षण एवं लगाव के कारण मित्रतापूर्वक जीवन व्यतीत करेंगे। अतः मिलान अच्छा रहेगा।

Duastro Male की राशि का स्वामी बुध तथा Duastro Female की राशि का स्वामी शनि है जो एक दूसरे से मित्र तथा समभाव में पड़ते हैं। अतः इसके प्रभाव से Duastro Male और Duastro Female सामंजस्य स्थापित करने में समर्थ होंगे तथा एक दूसरे को जीवन की सुख शान्ति की अभिवृद्धि में सदैव सहयोग प्रदान करेंगे। साथ ही एक दूसरे के गुणों की प्रशंसा तथा कमियों की उपेक्षा करके परस्पर प्रसन्नतापूर्वक जीवन व्यतीत करेंगे।

Duastro Male और Duastro Female की जन्मराशियां परस्पर पंचम तथा नवम भाव में पड़ती हैं। अतः यह एक भकूट दोष है। इसके प्रभाव से Duastro Male और Duastro Female की मानसिकता तथा अन्य सांसारिक कार्य कलापों के प्रति मतभेद रहेंगे तथा परस्पर अहंकार का भाव भी विद्यमान रहेगा। ऐसे समय में दाम्पत्य संबंधों में तनाव एवं कटुता का भाव उत्पन्न होने की प्रबल संभावना रहेगी साथ ही दोनों की मित्रता का विस्मृत क्षेत्र होने के कारण परस्पर शंकाएं उत्पन्न करके संबंधों में न्यूनता करेंगे। अतः बुद्धिमतापूर्वक आपसी समस्याओं का समाधान करना चाहिए।

Duastro Male और Duastro Female दोनों का वश्य मानव है। अतः इनकी परस्पर शारीरिक, मानसिक एवं भावनात्मक स्तर पर आवश्यकताएं समान होंगी तथा कामभावनाओं में भी एक दूसरे को प्रसन्न एवं सन्तुष्ट रखने में समर्थ रहेंगे जिससे दाम्पत्य जीवन के सुख में वृद्धि होगी।

Duastro Male और Duastro Female दोनों का वश्य शूद्र है। अतः दोनों की प्रवृत्ति किसी भी कार्य को इमानदारी एवं परिश्रम से करने की रहेगी तथा किसी भी कार्यक्षेत्र में चुनाव की अभिलाषा नहीं होगी। अतः कर्तव्यपरायणता एवं परिश्रम के कारण उन्नति के मार्ग प्रशस्त रहेंगे।

धन

Duastro Male और Duastro Female का जन्म एक ही तारा 'जनम' में हुआ है। अतः इसके शुभ प्रभाव से इनकी आर्थिक स्थिति सुदृढ़ रहेगी तथा प्रचुर मात्रा में धन एवं लाभ अर्जित करने में समर्थ होंगे। साथ ही भकूट एवं मंगल का प्रभाव भी आर्थिक स्थिति पर सामान्य ही रहेगा। अतः अपने वर्तमान स्रोतों से परिश्रम पूर्वक धनऐश्वर्य की प्राप्ति होती रहेगी जिससे

लाभ मार्ग सामान्यतया प्रशस्त होंगे तथा आर्थिक स्थिति से Duastro Male और Duastro Female सन्तुष्टि की अनुभूति करेंगे।

Duastro Male को पैतृक सम्पत्ति तथा जायदाद की प्राप्ति होगी। अतः आजीवन वे धन धान्य से युक्त रहेंगे तथा अपनी प्रतिभा, योग्यता एवं परिश्रम से उसमें उत्तरोत्तर वृद्धि करने में समर्थ होंगे। इस प्रकार भौतिक सुख संसाधनों का उपभोग करते हुए वे अपना समय आनंद पूर्वक व्यतीत करेंगे।

स्वास्थ्य

Duastro Male और Duastro Female दोनों की नाड़ी मध्य है। अतः इसके प्रभाव से इनको समय समय पर स्वास्थ्य संबंधी परेशानियों का सामना करना पड़ेगा। इससे Duastro Male और Duastro Female दोनों को उदर संबंधी कष्ट होगा तथा लीवर से संबंधित परेशानियां भी समय समय पर होती रहेंगी। वे अपच आदि से भी असुविधा की अनुभूति करेंगे। साथ ही मंगल का दुष्प्रभाव Duastro Female के स्वास्थ्य पर रहेगा इसके प्रभाव से इनको धातु या गुप्त रोग अथवा मासिक धर्म संबंधी परेशानियां रहेंगी। अतः नाड़ी दोष एवं मंगल के अशुभ प्रभाव के कारण ऐसे मिलान की उपेक्षा करनी चाहिए। तथापि उपरोक्त दुष्प्रभाव को कम करने के लिए हनुमानजी की उपासना तथा मंगलवार के उपवास करना शुभ रहेगा।

संतान

संतति के दृष्टि से Duastro Male एवं Duastro Female का मिलान उत्तम रहेगा। इसके प्रभाव से उनको उचित समय पर संतति की प्राप्ति होगी तथा इसमें अनावश्यक विलम्ब नहीं होगा। साथ ही बच्चों के जन्म के मध्य अंतर भी अनुकूल रहेगा जिससे उनका उचित पालन पोषण करने में समर्थ होंगे। इसके अतिरिक्त इनकी पुत्र एवं कन्या संतति संख्या भी समान होगी।

यद्यपि Duastro Female का प्रसव सामान्य विधि से सम्पन्न होगा परन्तु इसके प्रति Duastro Female के मन में कई प्रकार से भय एवं चिन्ता की भावना रहेगी जिससे वे अनावश्यक मानसिक तनाव की अनुभूति करेंगी। अतः Duastro Female को चाहिए कि ऐसे अनावश्यक भय एवं चिन्ता से मुक्त रहें तथा नियमित रूप से अपना गर्भावस्था में डाक्टरी परीक्षण आदि करवाती रहें। इससे Duastro Female सामान्य रूप से सुदंर स्वस्थ एवं आकर्षक बच्चों को जन्म देने में सफल होंगी तथा ऐसे समय में स्वयं भी स्वस्थ तथा शांति की अनुभूति करेंगी। Duastro Male और Duastro Female बच्चों से सन्तुष्ट तथा प्रसन्न रहेंगे तथा वे भी अपने क्षेत्र में स्व योग्यता बुद्धिमता तथा व्यवहार कुशलता से प्रसिद्धि प्राप्त करेंगे तथा अन्य सामाजिक जन भी उनसे प्रभावित तथा प्रसन्न रहेंगे माता पिता के प्रति उनके मन में समान भाव से आदर तथा आज्ञाकारिता रहेगी तथा उनकी इच्छा के विरुद्ध वे कोई भी कार्य सम्पन्न नहीं करेंगे। इस प्रकार Duastro Male और Duastro Female का पारिवारिक जीवन सुख शांति तथा आनंद पूर्वक व्यतीत होगा।

ससुराल—सुश्री

Duastro Female के अपनी सास से संबंधों में अनुकूलता तथा मधुरता रहेगी तथा उनकी तरफ से Duastro Female किसी भी अनावश्यक समस्या या असुविधा का सामना नहीं करना पड़ेगा। Duastro Female के हृदय में उनके प्रति सेवा भाव रहेगा तथा अपनी सेवा के द्वारा उन्हें प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रखने के लिए प्रयत्नशील रहेंगी। यद्यपि यदा कदा इनके मध्य मतभेद या विवाद भी होंगे लेकिन यह अल्प समय के लिए होगा तथा सामान्यतया संबंधों में मधुरता बनी रहेगी।

उनके ससुर से Duastro Female को विशेष स्नेह सम्मान तथा अनुकूलता प्राप्त नहीं होगी तथा के द्वारा Duastro Female को समय समय पर समस्याओं तथा व्यवधानों का सामना करना पड़ेगा लेकिन देवर एवं ननदों से Duastro Female के अत्यंत ही स्नेह एवं सौहार्द पूर्ण संबंध रहेंगे तथा उनसे इन्हें पूर्ण सम्मान तथा सहयोग मिलेगा। साथ ही परस्पर संबंधों में मित्रता का भाव रहेगा तथा आपसी समस्याओं तथा सुख दुख में एक दूसरे को अपना सहयोग प्रदान करते रहेंगे। इस प्रकार Duastro Female के सास ससुर का दृष्टिकोण सामान्यतया अनुकूल नहीं रहेगा।

ससुराल—श्री

Duastro Male के अपनी सास से संबंध विशेष मधुर नहीं रहेंगे तथा आयु में काफी अंतर होने के कारण इनमें विचार वैभिन्यता रहेगी लेकिन यदि दोनों परस्पर सामंजस्य एवं बुद्धिमता का व्यवहार करें तो उपरोक्त मतभेदों में न्यूनता आएगी तथा संबंधों में वृद्धि के भी अवसर बनेंगे।

साथ ही ससुर से भी परस्पर संबंधों में विवाद तथा तनाव युक्त वातावरण रहेगा जिससे न ही Duastro Male उनको यथोचित मान सम्मान प्रदान करेंगे तथा वे भी इन्हें विशेष अपनत्व तथा स्नेह का भाव अल्प ही प्रदान करेंगे। लेकिन साले एवं सालियों से संबंध अच्छे रहेंगे तथा परस्पर स्नेह सहयोग तथा सहानुभूति का भाव रहेगा। इनके संबंधों में मित्रता का भाव भी रहेगा जिससे परस्पर मुक्त भाव से वार्तालाप होता रहेगा। इस प्रकार ससुराल वालों का दृष्टिकोण Duastro Male के प्रति अनुकूल रहेगा तथा उन्हें प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रखने में नित्य प्रयत्नशील रहेंगे।